नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

मौत का कारखाना और व्यवस्था की मिलीभगत

देवास के टोककलां में पटाखा फैक्टरी विस्फोट कांड के बाद प्रदेश भर के जिला प्रशासन में हड़कंप है. लगातार सघन जांचें हो रही हैं और पटाखों की फैक्ट्रियां सील की जा रही हैं. यदि प्रशासन फरवरी 2024 में हुए हरदा विस्फोट कांड के बाद यही सतर्कता बरतता तो शायद देवास जिले में इतना बड़ा कांड होता ही नहीं ! दरअसल, यह कांड हादसा नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, भ्रष्ट तंत्र और मानव जीवन के प्रति संवेदनहीनता का भयावह उदाहरण है. पांच मजदूरों की मौत और 25 लोगों के घायल होने की घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि देश के कई हिस्सों में गरीब मजदूरों की जिंदगी आज भी सस्ते बारूद से ज्यादा कीमत नहीं रखती. सवाल यह है कि आखिर यह मौत का कारखाना इतने लंबे समय तक किसके संरक्षण में चल रहा था ?

जिस फैक्टरी में पहले भी आग लग चुकी हो, जिसके खिलाफ ग्राम पंचायत ने लिखित शिकायत दी हो, जहां से महज 500 मीटर की दूरी पर आबादी और 700 मीटर पर पेट्रोल पंप हो, वहां विस्फोटक सामग्री बनाने की अनुमति कैसे दी गई ? यह केवल तकनीकी चूक नहीं, बल्कि संगठित प्रशासनिक अपराध है. यदि सरपंच की चेतावनी के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं अधिकारियों ने आंखें मूंद रखी थीं या फिर उन्हें सब कुछ जानते हुए भी अनदेखा करने में फायदा नजर आ रहा था.

सबसे भयावह तथ्य यह है कि फैक्टरी पांच महीने तक कथित रूप से बिना वैध लाइसेंस के चलती रही. आखिर पुलिस, राजस्व विभाग, श्रम विभाग, उद्योग विभाग और विस्फोटक नियंत्रण विभाग क्या कर रहे थे ? क्या इतनी बड़ी फैक्टरी रातों-रात खड़ी हो गई थी ? क्या प्रशासन को वहां मजदूरों की आवाजाही, केमिकल के ड्रम और पटाखा निर्माण की जानकारी नहीं थी ? यदि जानकारी नहीं थी तो यह अक्षम व्यवस्था है, और यदि जानकारी थी तो यह सीधी मिलीभगत है. घटना के बाद रासुका लगाना और गिरफ्तारियां करना पर्याप्त नहीं है. यह कार्रवाई तब क्यों नहीं हुई जब 14 मार्च को फैक्टरी में आग लगी थी ? तब यदि प्रशासन सख्ती दिखाता, तो शायद पांच परिवार उजड़ने से बच जाते. यह भी गंभीर चिंता का विषय है कि फैक्टरी में किशोर मजदूर तक काम कर रहे थे. पानी में खड़े होकर विस्फोटक तैयार करवाना किसी औद्योगिक गतिविधि नहीं, बल्कि मजदूरों को मौत के मुंह में धकेलना है.

मध्यप्रदेश सरकार ने मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा की है, लेकिन क्या इंसानी जिंदगी की कीमत इतनी भर है ? जरूरत इस बात की है कि इस मामले में केवल फैक्टरी मालिक और ठेकेदार ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी हत्या का मामला दर्ज हो, जिन्होंने नियमों की अनदेखी की. मजिस्ट्रियल जांच अक्सर सरकारी फाइलों में दफन होकर रह जाती है. इस बार न्याय तभी माना जाएगा जब जिम्मेदार अफसरों की जवाबदेही तय हो और उन्हें सेवा से बर्खास्त कर जेल भेजा जाए.

देशभर में अवैध पटाखा फैक्ट्रियां और विस्फोटक इकाइयां गरीब मजदूरों की कब्रगाह बन चुकी हैं. हर हादसे के बाद मुआवजा, जांच और गिरफ्तारी की औपचारिकता होती है, फिर कुछ महीनों बाद सब सामान्य हो जाता है. यह चक्र अब टूटना चाहिए. सरकार को राज्यव्यापी अभियान चलाकर सभी विस्फोटक इकाइयों की जांच करनी चाहिए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर गैर इरादतन हत्या नहीं, बल्कि हत्या जैसी कठोर धाराओं में कार्रवाई करनी चाहिए.

देवास की यह त्रासदी केवल पांच मजदूरों की मौत नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का विस्फोट है जिसमें मुनाफा इंसानियत पर भारी पड़ रहा है.

विकसित भारत 2047 विकास की सनातन दृष्टि

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

> विकसित भारत तभी सार्थक और टिकाऊ होगा जब हम सनातन परंपरा को आधार बनाएंगे. इसके लिए शिक्षा नीति में संस्कृत, वैदिक गणित और गुरुकुल-मूल्यों को प्रमुख स्थान देना होगा. चिकित्सा में आयुर्वेद को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा का आधार बनाना होगा. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कुटीर उद्योगों और आत्मनिर्भर गांवों को रणनीतिक प्राथमिकता मिलनी चाहिए. पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्ष-त्रयी, जल-संरक्षण और पर्व-परंपराओं को नीतिगत रूप से प्रोत्साहन दिया जाए. सामाजिक क्षेत्र में संयुक्त परिवार, कुल-देवता परंपरा और संस्कारों का पुनरुत्थान आवश्यक है. साथ ही शारदा पीठ काश्मीर सहित सभी प्राचीन विद्या-पीठों को सक्रिय ज्ञान-केंद्र के रूप में पुनर्जीवित किया जाए.

सनातन दृष्टि में विकास केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि मानव, प्रकृति और चराचर जगत का संतुलित, नैतिक तथा दीर्घकालिक कल्याण है और मानव और प्रकृति का सह-अस्तित्व है, जो संतुलन और नैतिकता पर आधारित है. यह दृष्टिकोण भोग के बजाय त्याग और संयम को प्राथमिकता देता है, जहाँ प्रकृति के शोषण के स्थान पर उसके साथ सामंजस्यपूर्ण विकास की परिकल्पना है. प्रकृति सर्वश्रेष्ठ है और मानव उसका एक हिस्सा मात्र है, शोषणकर्ता नहीं. यह दृष्टिकोण पर्यावरण सुरक्षा को प्राथमिकता देता है.

समग्र कल्याण विकास का उद्देश्य समाज के हर व्यक्ति का कल्याण है, न कि केवल कुछ लोगों की भौतिक प्रगति. भौतिक और आध्यात्मिक समन्वय: सनातन परंपरा में भौतिक प्रगति के साथ-साथ आंतरिक ज्ञान (चेतना) के विकास कभी उतना ही महत्व दिया गया है. यह विकास को केवल तकनीकी या औद्योगिक प्रगति के रूप में नहीं, बल्कि 'सतत विकास' के रूप में देखती है. भारत वर्ष की पहचान केवल एक राजनीतिक या आर्थिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक समृद्ध ज्ञान परंपरा के रूप में रही है. विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास को भी समाहित करता है. भारतीय ज्ञान परंपरा जिसमें वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, धर्म, अर्थशास्त्र आदि सम्मिलित हैं आज के विकास मॉडल को एक सतत समावेशी और नैतिक आधार प्रदान कर रही है. आज के संदर्भ में, यह दृष्टिकोण विकसित भारत 2047 के संकल्प में भी परिलक्षित होता है, जो आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सांस्कृतिक विरासत को साथ लेकर चलने पर जोर देता है.

सनातन परंपरा में विकास का अर्थ भोग नहीं, त्याग एवं संयम है. भौतिक समृद्धि को प्राथमिकता देने वाला आज का मॉडल परिवार, समाज, पर्यावरण और नैतिकता को क्षीण कर रहा है, जबकि सनातन दृष्टि में विकास पुरुषार्थ चतुष्टय पर आधारित है जिसमें धर्म को सर्वोपरि स्थान दिया गया है. यह दृष्टि केवल भारत के लिए नहीं, समस्त विश्व के कल्याण के लिए है. ऋषियों द्वारा दी गई यह व्यवस्था तीनों कालों भूत, वर्तमान और भविष्य के लिए थी. सनातन व्यवस्थाएँ सहज रूप से प्रकृति-अनुकूल और सतत थीं. आर्थिक क्षेत्र में आत्मनिर्भर गांवों, कुटीर उद्योगों, शिल्प-कला और महिलाओं की पूर्ण भागीदारी का मॉडल था। ये उद्योग न केवल पर्यावरण की रक्षा करते थे बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अजेय थे कोई दुश्मन इन्हें एक मिनट में नष्ट नहीं कर सकता था. शिक्षा व्यवस्था गुरुकुल पद्धति पर टिकी थी जिसमें 32 प्रकार की विद्याएँ (शुक्रनीति के अनुसार) दी जाती थीं, वैदिक गणित के 17 सूत्रों का ज्ञान था और संस्कृत जैसी वैज्ञानिक व संस्कारिक भाषा का अध्ययन अनिवार्य था. विद्यार्थी प्रकृति के सान्निध्य में रहते थे, राजा-प्रजा एक साथ पढ़ते थे और भिक्षा-विधि से अहंकार का नाश होता था. चिकित्सा में आयुर्वेद और सुश्रुत संहिता की जड़-मूल चिकित्सा प्रणाली थी 300 प्रकार की सर्जरी, 125 यंत्र और नाड़ी-विद्या। पर्यावरण संरक्षण वृक्ष-त्रयी (पीपल, बरगद, नीम), जल-संरक्षण के यजुर्वेदीय मंत्रों और पर्व-त्योहारों में समाया हुआ था। कृषि में मिट्टी को जीव मानकर प्राकृतिक खाद का उपयोग किया जाता था, जिससे उर्वरता कभी समाप्त नहीं होती थी. सामाजिक रूप से संयुक्त परिवार, श्रवण कुमार जैसे आदर्श, पंच-परमेश्वर न्याय व्यवस्था और 48 संस्कारों की परंपरा थी. 48 संस्कारों को आमतौर पर दो भागों में बाँटा जाता है:-

40 बाह्य संस्कार (कर्मकांड संबंधी): जन्म से मृत्यु तक के विभिन्न अनुष्ठान, यज्ञ, व्रत आदि. 8 आंतरिक संस्कार (आत्म-गुण): दया, क्षमा, अनसूया (ईर्ष्या-रहितता), शौच (शुद्धता), अनायास (सरलता), मंगल (कल्याणकारी भाव), अकार्पण्य (उदारता) और अस्पृहा (लालच-रहितता). ये 48 संस्कार व्यक्ति को पूर्ण रूप से संस्कारित करते हैं, लेकिन व्यवहार में षोडश संस्कार (16 संस्कार) ही सबसे अधिक प्रचलित और मान्य हैं, जिन्हें महर्षि वेदव्यास आदि ने संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया. इन व्यवस्थाओं के कारण भारत हजारों वर्ष तक विश्व का मार्गदर्शक बना रहा. इसके विपरीत, आधुनिक विकास मॉडल में परिवार टूट रहे हैं, शादियाँ महीनों में विघटित हो रही हैं, बुजुर्ग वृद्धाश्रमों में हैं, पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, बड़े उद्योग दुश्मन का आसान लक्ष्य बन रहे हैं और चिकित्सा 'ग्राहक बनाने' का व्यवसाय बन गई है.

मालवा- निमाड़ की डायरी

रावत परिवारों के बीच वर्चस्व की जंग

संजय व्यास

आलीराजपुर जिले की जोबट विधान सभा सीट पर रावत परिवारों में वर्चस्व की जंग छिड़ी हुई है. फिलहाल पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेश पटेल (रावत) की पत्नी सेना पटेल यहां से कांग्रेस विधायक हैं. इसके पूर्व 1998 से सुलोचना रावत यहां से 3 बार विधायक चुनीं गईं. उनके बाद पुत्र विशाल रावत उनकी राजनीतिक विरासत सम्हाल रहे हैं. 2021 में विशाल अपनी मां सुलोचना रावत के साथ भाजपा में आ गए थे.

आलीराजपुर जिले में पटेल (रावत) परिवार के दबदबे के बीच विशाल रावत जोबट क्षेत्र में लगातार उन्हें चुनौती दे रहे हैं. वर्चस्व की इस लड़ाई में पहली बार 2023 के चुनाव में महेश पटेल परिवार को जीत का स्वाद सेना पटेल के विधायक चुने जाने पर मिला. उन्होंने भाजपा के विशाल रावत को मात दी थी. अपनी हार का बदला लेने विशाल फिर 2028 के चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं. गत चुनाव में रह गई कमियों को दूर कर वे फिर बूथ स्तर तक पार्टी की मजबूती को प्रयत्नशील हैं.

सेना पटेल की सक्रियता

जोबट विधान सभा पर दोबारा कब्जा जमाए रखने के लिए विधायक सेना पटेल अभी से सक्रिय हो चुकीं हैं. वे हर उस कोशिश में लगी हैं, जिससे ग्रामीणों की नब्ज अपने हाथों में थमी रहे. विगत दिनों विकास कार्यों में लापरवाही और उत्पन्न दिक्कतों को लेकर वे सरपंचों के साथ खड़ी हो गईं और उपयंत्री के खिलाफ मोर्चा खोला, वहीं जब ग्राम- फलियों के बाशिंदों ने पहुंच सडकें न होने की पीड़ा व्यक्त की तो सेना पटेल ने मौके पर संबंधित अधिकारियों को मौके पर तलब कर लिया. इसी तरह किसी प्रकार के हादसे की जानकारी पर वे तुरंत मदद के लिए पीड़ितों के पास पहुंच जाती हैं. उनकी यह सक्रियता ग्रामीणों को भा रही है.

भोजशाला में पोस्टर, अफसरों में खलबली

उच्च न्यायालय द्वारा भोजशाला को मंदिर घोषित के बाद से धारवासी अति उत्साहित हैं. हिंदुओं के प्रतिदिन पूजा के अधिकार के बाद से श्रद्धालुओं का उमडना जारी है. ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों में उस समय खलबली मच गई जब वहां एक पोस्टर चर्चा में आया. दरअसल संध्या आरती के बाद भोजशाला के मुख्य द्वार पर गैर हिंदुओं का प्रवेश निषेध लिखा पोस्टर लगाए जाने से इलाके में हडक़ंप मच गया था. यह जानकारी लगते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भागे-भागे पहुंचे और गेट से पोस्टर हटवा दिया. बताया जाता है कि भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा पोस्टर लेकर मुख्य गेट पर पहुंचे थे और उसे वहां उसे चस्पा कर दिया था. उनका मानना है कि भोजशाला में गैर हिंदुओं का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित होना चाहिए. चूंकि भोजशाला पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है और पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, ऐसे में इसे देखने आने वालों को गैर हिंदू के तौर पर प्रवेश से नहीं रोका जा सकता.

आखिर क्या है 'डान्स ऑफ डेमोक्रेसी'

इन दिनों 'डान्स ऑफ डेमोक्रेसी' की चर्चा है. जब भी लोकसभा, विधानसभा या स्थानीय निकाय के चुनाव आते हैं, डेमोक्रेसी के पैर थिरकने लगते हैं. वह कहती है - मेरे पैरों में घुंघरू बंधा दे और फिर मेरी चाल देख ले ! 140 करोड भारतीयों की डेमोक्रेसी में गजब की एनर्जी है. सरकार ने चुनाव की स्टेज पर डेमोक्रेसी को नचाने के लिए इलेक्शन कमीशन रूपी डान्स डायरेक्टर को जिम्मेदारी सौंपी हैं. मुख्य चुनाव आयुक्त किसे बनाया जाए इसका फैसला करने के लिए 3 सदस्यों का पैनल सरकार ने बनाया है जिसमें प्रधानमंत्री, उनकी कैबिनेट का एक मंत्री और नेता प्रतिपक्ष का समावेश होता है. प्रधानमंत्री एक नाम तय करते हैं. उनकी कैबिनेट का मंत्री 'हां जी-हां जी' कहते हुए तुरंत उस नाम का समर्थन करता है. नेता विपक्ष अल्पमत में पड जाता है और 2-1 के बहुमत से मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हो जाती है. विपक्ष का नेता सिर्फ दर्शक बनकर रह जाता है. सुप्रीम कोर्ट ने भी इस तरह की चयन पध्दति को मनमानी व अलोकतांत्रिकमाना है.

पैनल में कैबिनेट मंत्री की जगह कोई निष्पक्ष व्यक्ति क्यों नहीं रखा जाता ? मुख्य चुनाव आयुक्त अपने आका के संकेत भली-भांति समझता है. वह जानता है कि उत्तरी राज्य में डेमोक्रेसी को कत्थक और दक्षिणी राज्यों में भरतनाट्यम नचवाना है. गोवा में डेमोक्रेसी को रम्बा-सम्बा नाचने की आजादी है. महाराष्ट्र में लावणी नृत्य कर सकती है. जब किसी राज्य में 90 प्रतिशत तक रिकार्ड मतदान होता है तो डेमोक्रेसी कहती है- मोहे आई ना जग की लाज, मैं इतना नाची आज कि घुंघरू टूट गए ! डेमोक्रेसी के डान्स के ठीक पहले एसआईआर करवाने से स्टेज साफ हो जाता है. वोटर लिस्ट से लाखों नाम हटा दिए जाते हैं. फिर डेमोक्रेसी ऐसा तूफानी डान्स करती है कि हेलन, वैजयंतीमाला, हेमामालिनी और माधुरी दीक्षित सभी को मात देती है. बीजेपी निश्चिंत रहती है कि डेमोक्रेसी उसी के सुर और ताल पर नाचेगी जबकि विपक्ष चुनाव हारने के बाद नाच ना जाने, आंगन टेढ़ा की शिकायत करता रह जाता है.

- चंद्रमोहन द्विवेदी

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

आतंक के लिए पाक मांगे माफी न हिस्ट्री रहेगी, न ज्योग्राफी

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान से सीधा सवाल किया है कि वह हिस्ट्री में रहना चाहता है या ज्योग्राफी में? हमारा ख्याल है कि इस प्रश्न से पाकिस्तान के हुक्मरान का दिमाग बुरी तरह चकरा जाएगा. फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आपस में चर्चा करेंगे कि क्या जवाब दिया जाए? मुनीर मिलिट्री हिस्ट्री में पाकिस्तान की 1965, 1971 और कारगिल युध्द में पराजय के किस्से पढेंगे और ऑपरेशन सिंदूर को याद कर डर के मारे थरथराने लगेंगे. तभी उन्हें अहसास होगा कि इस मुश्किल सवाल का जवाब पूछने अपने आका डोनाल्ड ट्रम्प के पास जाना होगा. शहबाज शरीफ कहेंगे-मुनीर, तुम चुपचाप शाही पनीर खाओ. पाकिस्तान को अल्लाह, आर्मी और अमेरिका चलाते हैं. हमारी अपनी कोई औकात नहीं है कि इंडिया को जवाब दे सकें.

हमने कहा, ऐसा भी तो हो सकता है कि पाकिस्तान इस सवाल का जवाब चीन से पूछे और चीन उसे 'मेरा नाम चिन-चिन चू' का पुराना फिल्मी गीत सुनाने लगे और पहले बलूचिस्तान की बगावत संभालने को कहे जहां चीन के वर्कर और इंजीनियर अपने लिए खतरा महसूस कर रहे हैं. चीन यह भी समझा सकता है कि हमने तुम्हें जो मिसाइल और ड्रोन दिए थे उन्हें भारतीय फौज ने मार गिराया इसलिए भारत की ताकत समझ जाओ और उससे पंगा मत लो वरना इस बार वह सच में तुम्हारी ज्योग्राफी बदल देगा. पीओके तुम्हारे कब्जे से छीन लेगा. कराची बंदरगाह तबाह कर देगा. बांग्लादेश के समान बलूचिस्तान को आजाद करवा देगा. सिंध भी हाथ से निकल जाएगा. खैबर पख्तूनवा प्रांत तालिबान छीन लेगा. तुम पाकिस्तानी डबल गेम खेलते हो. अमेरिका की दलाली करते हो. तुम्हारी कुछ जमीन हड़पने का हमारा भी इरादा है. तुम्हारे पास भाड़े के टट्टू आतंकवादी हैं तो चीन भी विस्तारवादी है भारत ने छोड़ा तो हम तुम्हें निगल जाएंगे. इतिहास तुम्हारे पास है नहीं और ज्योग्राफी बदलने में देर नहीं लगेगी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12262 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2			3	■	4	■
5		■	■	6	7		8
9		10	■	11			
	■	12			■	■	
■	13		■	■	14	15	
16	■	17	18	19			■
20	21	■	22		■	23	24
■	25				■	26	

बाएं से दाएं
2. किसी की बुराई करने वाला, अपकार करने वाला 5. मास, महीना 6. बहुत बड़ा राजा, गुरु ब्राम्हण आदि के लिए आदरसूचक शब्द 9. दोजख 11. जोर वाला, बलवान 12. बंदर, भालू आदि का तमाशा दिखाने वाला बाजीगर 13. जिसका भीतरी भाग खाली हो, खोखला 14. अंकुर, एक घास, अंकटा 17. पुराणानुसार एक समुद्र जो दूध का माना जाता है 20. मिट्टी, पत्थर आदि का उभरा हुआ भूभाग, छोटी पहाड़ी 22. जो कानून के अनुसार हो 23. मस्तक, सिर का ऊपरी और सामने वाला भाग 25. जहाज 26. अरुणता, ललाई

ऊपर से नीचे
1. धरोहर, थाती 2. तीन घंटे का समय, याम 3. दुर्बलता, अशक्तता 4. विचार, संकल्प 7. माला, पराजय 8. धनी, संपन्न 10. कमल जैसे सुंदर नयनों वाली स्त्री 14. अवयव, शरीर देह, अंश 15. माला के अभाव में उंगलियों के पोरों से जप की गिनती करना 16. तख्ती, चटाई, रीति, शैली 18. चलन, चालचलन, ढंग 19. उपकरण, कोई वस्तु तैयार करने की सामग्री, उपाय, युक्ति 21. लज्जा, शर्म, हया 24. भोजन का छिछला बर्तन

Solution 12261

मुँ	ह	मां	गा	■	ज	ने	ऊ
ह	र	■	ली	ल	ना	■	द
ल	म	■	ग	■	जा	■	बि
गा	■	बि	लौ	टा	■	बा	ला
■	मृ	ग	ज	ल	■	ल	व
बि	गा	ड़	■	ना	न	क	■
■	श	ना	ख	■	■	मा	र
दी	न	■	■	रा	ज	नी	ति

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा में अरूचि व व्यवधान होगा, अधिकारी के कोप का सामना करना पड़ेगा, मित्रों से बैचारिक मतभेद रहेगा, वर्ष के मध्य में प्रियजनों के सहयोग से कार्यो में सफ्लता मिलेगी, शासन सत्ता का लाभ नवीन योजनाओं में पूँजी निवेश होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यहां सहयोग मिलेगा, सिंह राशि के व्यक्तियोंको निजी क्षेत्र में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारी के आदेश का पालन करना होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को धार्मिक यात्रा होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को आकस्मिक धन लाभ प्राप्त होने का योग है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक शांतिप्रिय, सौम्य, धैर्यवान तथा मिलनसार होगा, किसी तकनीकी विद्या का ज्ञाता होगा, कार्य करने की क्षमता अच्छी रहेगी, धार्मिक होते हुये पूजा पाठ में रूचि कम रहेगी, पिता का भक्त होगा.

मेष- पुरानी मित्रता काम आयेगी, शुभ कार्यो में खर्च होगा, इच्छानुसार कार्य बनेगा, श्रम अधिक रहेगा. आय से अधिक धन खर्च होने का योग है.

वृषभ- कामकाज में उतार चढ़ाव रहेगा, परिश्रम की अधिकता रहेगी, अतिथि आगमन का योग है, यश मिलेगा. निजी कार्यो की रूपरेखा बनेगीं.

मिथुन- झगड़ों से परेशान होकर काम छोड़ने का मन बनेगा, धैर्य से काम लें, उच्च वर्गीय प्रतिष्ठितजनों से मेलजोल बढ़ेगा, मित्र वर्ग आपकी मदद करेंगे.

कर्क- स्वास्थ्य सुधरेगा, धार्मिक रूचि बढ़ेगी, राजनेताओं से संपर्क बढ़ेगा, परिश्रम का लाभ मिलेगा, सावधानी पूर्वक कार्य करना हितकर रहेगा.

सिंह- निर्माण कार्य में प्रगति होगी, दिनचर्या नियमित रहेगी, दूर गये मित्र के संबंध में सुखद समाचार प्राप्त होगा, मनोंवाछित सफ्लता प्राप्त रहेगी.

कन्या- भोतिक सुखों में वृद्धि होगी, लाभ में संतोष रहेगा, रोगी की चिन्ता रहेगी, नवीन योजना बनेगी. व्यापारिक स्थिति को देखकर निर्णय करें.

तुला- साहस में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, मित्रों एवं कुटुम्बियों के साथ रमणीक स्थल की सैर होगी, पारिवारिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी.

वृश्चिक- मामूली बात पर मित्रों से कहासुनी हो सकती हे, परिश्रम प्रयास अयिाक करना होगा, गुमी वस्तु मिलेगी, फिजूल खर्च रोकने का प्रयास होगा.

धनु- शत्रुओं की पराजय होगी, आय में वृद्धि होगी, समयानुकूल उत्तम भोजन मिलेगा, भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, प्रियजनों से मेलजोल बढेगा.

मकर- सामाजिक कार्यो में प्रतिष्ठा बढ़ेगी, धार्मिक यात्रा का योग है, परिश्रम प्रयास करने से यथेष्ठ सफ्लता मिलेगी, मान सम्मान में वृद्धि होगी.

कुम्भ- केरियर में सफ्लता के लिये सही समय आ गया हे, पारिवारिक मामलों में सफ्लता मिलेगी, व्यवसायिक मामलों में सहयोग रहेगा.

मीन- वाहन चलाते समय सावधानी रखें, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी, दूसरों पर अधिक भरोसा न करें, संयम से काम लेना हितकर रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

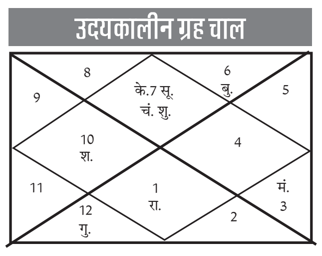

पंचांग

रा.मि. 29 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया भौमवासरे शाम 6/49, मृगशिरा नक्षत्रे दिन 12/29, धृति योगे रात 10/2, तैतिल करणे सू.उ. 5/21, सू.अ. 6/39, चन्द्रचार मिथुन, शु.रा. 3, 5, 6, 9, 10, 1 अ.रा. 4, 7, 8, 11, 12, 2 शुभांक- 5, 7, 1.

व्यापार भविष्य

अधिक ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया को मृगशिरा नक्षत्र के प्रभाव से जौ, चना, अरहर, मूँग, मोठ, उड़द, ज्वार, बाजरा, मक्का, हल्दी, अरंडी, आदि में तिल, तेल, में तेजी होगी, जिस वस्तु में आज के बने भाव टूटें, उसी में मंदी की चाल चलेगी. भाग्यांक 6282 है.

SUDOKU 7394

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7393

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1